लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम भास्कर
दिनांक 2.12.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

सहयोग के लिए आए साथ • ऑस्ट्रेलिया वैस्टर्न सिडनी विवि के साथ एचएयू ने ड्यूल डिग्री का एमओयू किया साइन

ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू के साथ मृदा और कीट विज्ञान, समाजशास्त्र और इंजीनियरिंग समेत कई विषयों में ड्यूल डिग्री कर सकेंगे एचएयू छात्र

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू दुनिया के उच्चतम स्तरीय संस्थान अपने समकक्ष संस्थानों को पहचान कर उनके साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित करने को इच्छुक रहती है। इसी कड़ी में आस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू और भारत की चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने साथ आने का निर्णय लिया है। इसके लिए एचएयू की तरफ से कुलपति प्रो. केपी सिंह व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर ने आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान की उपस्थिति में एक एमओयू साइन किया। इसके तहत एचएयू के छात्रों का आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ सांझा ड्यूल एमएससी व पीएचडी डिग्री प्रोग्राम शुरू होगा। इसके तहत पढ़ने वाले छात्र एक निश्चित अवधि तक एचएयू में और उसके बाद डब्ल्यूएसयू में पढ़ेंगे और ऐसे छात्रों को दोहरी डिग्री प्रदान की जाएगी अर्थात डब्ल्यूएसयू व एचएयू दोनों अपनी-अपनी डिग्री प्रदान करेंगे। जहां छात्रों को दोनों डिग्री मिलेगी वहीं छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने तथा एचएयू के संकाय सदस्य व डब्ल्यूएसयू के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग करने के साथ-साथ अनुसंधान को साझा करने का मौका मिलेगा।

इस कार्यक्रम के तहत एचएयू से नियुक्त उच्च स्तरीय टीम, जिसमें डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन, डॉ. आशा कवातरा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत, अंतरराष्ट्रीय मामलों के समन्वयक, डॉ. दलविन्दर व छात्रों के सलाहकार शामिल थे। इस कार्यशाला में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं में डॉ. लिडा टेलर, एंडरसन, निशा, राकेश, मार्कस रिगलर और नेलसन ने विस्तार में आस्ट्रेलिया की पढ़ाई और शोध कार्यशाला के बारे में बताया।

हिसार | ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में एचएयू की तरफ से वीसी प्रो. के.पी. सिंह व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के वीसी बार्नी गलोवर ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एचएयू के 8 छात्र ऑस्ट्रेलिया में ये विषय पढ़ेंगे

खाद्य और पोषण, उद्यान, मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान, समाजशास्त्र, मृदा जल और इंजीनियरिंग विषयों पर ड्यूल डिग्री लेने के लिए एचएयू से मनतावया बिश्नोई, रितिका, चरण सिंह, सिन्धू, दीपिका, तान्वी शर्मा, एवं सोनू सिंह वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया में ड्यूल डिग्री प्राप्त करने जाएंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक ट्रिब्यून....
दिनांक 2.12.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

हकृवि और आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय में समझौता

दोनों यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को मिलेंगी ड्यूल डिग्री

आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री की मौजूदी में हुए हस्ताक्षर

हिसार, 1 दिसंबर (निस)

दुनिया के उच्चतम स्तरीय संस्थान अपने समकक्ष संस्थानों की पहचान कर उनके साथ शैक्षणिक संबध स्थापित करने को इच्छुक रहते हैं। इसी कड़ी मे आस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू तथा भारत की चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने साथ आने का निर्णय लिया है। इसी आशय के तहत आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान की उपस्थिति में हकृवि की तरफ से कुलपति प्रो. केपी सिहं व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

ड्यूल डिग्री समझौते से हकृवि के छात्रों का आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ साझा कार्यक्रम के तहत ड्यूल एमएससी व पीएचडी डिग्री प्रोग्राम शुरू होगा। इसके तहत पढ़ने वाले छात्र एक निश्चित अवधि तक हकृवि में तथा उसके बाद डब्ल्यूएसयू में पढ़ेंगे और ऐसे छात्रों को दोहरी डिग्री प्रदान की जाएगी। इस समझौते से छात्रों को जहां दोनों डिग्री मिलेंगी, वहीं छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने तथा हकृवि के संकाय सदस्य व डब्ल्यूएसयू के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग करने के साथ-साथ अनुसंधान को साझा करने का मौका भी मिलेगा।

हिसार में रविवार को आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते दोनों कुलपति। -निस

मृदा और कीट विज्ञान पर होगा शोध

मुख्यरूप से खाद्य और पोषण, उद्यान, मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान, समाजशास्त्र, मृदा जल और इंजीनियरिंग आदि विषयों पर ड्यूल डिग्री लेने के लिए हकृवि से रितिका, चरण सिंह, सिन्धू, दीपिका, तन्वी शर्मा, एवं सोनू सिंह वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया में ड्यूल डिग्री प्राप्त करने जाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत हकृवि से नियुक्त उच्च स्तरीय टीम, जिसमें डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन, डॉ. आशा कवातरा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के समन्वयक, डॉ. दलविन्दर व छात्रों के सलाहकार शामिल थे। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं में डॉ. लिडा टेलर, एंडरसन, निशा, राकेश, रिगलर और नेलसन आदि ने विस्तार में आस्ट्रेलिया की पढ़ाई और शोध कार्यशाला के बारे में बताया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....
दिनांक 2.12.2019 .... पृष्ठ सं. 5 .... कॉलम 3-5

एचएयू के विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से कर सकेंगे एमएससी व पीएचडी

जागरण संवाददाता, हिसार : एग्रीकल्चर से एमएससी, पीएचडी करने वाले छात्रों को विदेशों से पढ़ाई काफी महंगी पड़ती है, मगर अब भारत के छात्रों का यह सपना भी आसानी से पूरा हो सकेगा। क्योंकि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ डूअल डिग्री कोर्स को लेकर करार किया है।

इसके तहत एचएयू के छात्रों को विश्वविद्यालय में पढ़ने के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में भी एमएससी व पीएचडी की पढ़ाई कराई जाएगी। कार्यक्रम के तहत एचएयू से नियुक्त उच्च स्तरीय टीम, जिसमें स्नातकोत्तर अध्ययन की डीन डा. आशा क्वात्रा, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, अंतरराष्ट्रीय मामलों के समन्वयक डा. दलविंदर व छात्रों के सलाहकार शामिल रहे। इस कार्यशाला में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं में डा. लिडा टेलर, एंडरसन, निशा, राकेश, मार्क्स रिगलर और नेलसन आदि ने विस्तार में ऑस्ट्रेलिया की पढ़ाई और शोध कार्यशाला के बारे में बताया।

ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री के निर्देशन में हुआ करार : ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू तथा भारत के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ आने के निर्णय को लेकर पिछले कुछ दिनों से तैयारियां चल रही थीं। इसी के तहत ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान की उपस्थिति में हकृवि की तरफ से कुलपति प्रो. केपी सिंह व वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर ने सहमती पत्र पर हस्ताक्षर किए।

दिल्ली में हुई बैठक के दौरान दाई तरफ बैठे हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह, उनके साथ ही आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान व वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए। इस दौरान पीछे खड़े डीआर डॉ एसके सहरावत, डीन पीजीएस डॉ आशा क्वात्रा साथ में एचएयू के विद्यार्थी मनतावया बिश्नोई, रितिका, चरण सिंह, सिंधू, दीपिका, तन्वी शर्मा, सोनी सिंह। विज्ञप्ति

इन विषयों में ले सकेंगे शिक्षा : खाद्य और पोषण, उद्यान, मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान, समाजशास्त्र, मृदा जल और इंजीनियरिंग आदि विषयों पर डुअल डिग्री लेने एचएयू से मनतावया बिश्नोई, रितिका, चरण सिंह, सिंधू, दीपिका, तन्वी शर्मा एवं सोनू सिंह वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया में डुअल डिग्री प्राप्त करने जाएंगे।

ऐसे मिलेगा पढ़ाई का मौका : कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस करार के तहत डूअल डिग्री कोर्स में एचएयू से एमएससी व पीएचडी करने वाले छात्र एक निश्चित अवधि तक एचएयू में तथा उसके बाद वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पढेंगे। इन विद्यार्थियों को दोहरी डिग्री प्रदान की जाएगी। यानि डब्ल्यूएसयू व हकृवि दोनों अपनी-अपनी डिग्री प्रदान करेंगे। जहां छात्रों को दोनों डिग्री मिलेंगी, वहीं छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने तथा एचएयू के संकाय सदस्य व डब्ल्यूएसयू के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग करने के साथ-साथ रिसर्च को साझा करने का मौका भी मिलेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि. भूमि
दिनांक 2.12.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-8

सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर

हकृवि ने ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू के साथ ड्यूल डिग्री शुरू

- हकृवि तथा डब्ल्यूएसयू के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग के साथ अनुसंधान सांझा करने का मौका मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू के साथ ड्यूल एमएससी व पीएचडी प्रोग्राम आरंभ किया है।

ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान की उपस्थिति में हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर ने सहमती पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से हकृवि के छात्रों का ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ सांझा कार्यक्रम के तहत ड्यूल एमएससी व पीएचडी डिग्री प्रोग्राम शुरू होगा। इसके तहत पढ़ने वाले छात्र एक निश्चित अवधि तक हकृवि में तथा उसके बाद डब्ल्यूएसयू में पढ़ेंगे। ऐसे छात्रों को दोहरी डिग्री प्रदान की जाएगी अर्थात डब्ल्यूएसयू व हकृवि दोनों अपनी-अपनी डिग्री प्रदान करेंगे। जहां छात्रों को दोनों डिग्री मिलेगी वहीं छात्रों को अंतरराष्ट्रीयस्तर पर कार्य करने तथा हकृवि के संकाय सदस्य तथा डब्ल्यूएसयू के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग करने के साथ साथ अनुसंधान को सांझा करने का मौका मिलेगा।

हिसार। आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिहं व वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी ग्लोवर। फोटो : हरिभूमि

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हकृवि के उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीयस्तर के शैक्षणिक तथा अनुसंधान होने से संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

इन विषयों में लेंगे ड्यूल डिग्री

खाद्य और पोषण, उद्यान, मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान, समाजशास्त्र, मृदा जल और इंजीनियरिंग आदि विषयों पर डयूल डिग्री लेने विवि के विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। हकृवि से मनतावया बिश्नोई, रितिका, चरण सिहं सिंधु, दीपिका, तान्वी शर्मा, एवं सोनू सिहं वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया मे ड्यूल डिग्री प्राप्त करने जाएंगे।

इस टीम ने किया तालमेल

डयूल डिग्री कार्यक्रम के तहत हकृवि से नियुक्त उच्च स्तरीय टीम में डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन डॉ. आशा क्वात्रा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अंतरराष्ट्रीय मामलों के समन्वयक डॉ. दलविंदर व छात्रों के सलाहकार शामिल थे। इस कार्यशाला में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता डॉ. लिडा टेलर, एंडरसन, निशा, राकेश, मार्कस रिगलर, नेलसन आदि ने ऑस्ट्रेलिया की पढ़ाई और शोध कार्यशाला के बारे में जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 2:12:2017 पृष्ठ सं 2 कॉलम 3:5

ह.कृ.वि. ने आस्ट्रेलिया की डब्ल्यू.एस.यू. के साथ आरम्भ की ड्यूल डिग्री

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): दुनिया के उच्चतम स्तरीय संस्थान अपने समकक्ष संस्थानों को पहचान कर उनके साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित करने को इच्छुक रहते है। इसी कड़ी में आस्ट्रेलिया की डब्ल्यू.एस.यू. तथा भारत की चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने साथ आने का निर्णय लिया है। इसी आश्य के तहत आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान की उपस्थिति में हकृवि की तरफ से कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते से ह.कृ.वि. के छात्रों का आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ सांझा कार्यक्रम के तहत ड्यूल एम.एससी. व पीएच.डी. डिग्री प्रोग्राम शुरू होगा। इसके तहत पढ़ने वाले छात्र एक निश्चित अवधि तक ह.कृ.वि. में तथा उसके बाद डब्ल्यू.एस.यू. मे पढेंगे और ऐसे छात्रों को दोहरी डिग्री प्रदान की जाएगी अर्थात् डब्ल्यू.एस.यू. व ह.कृ.वि. दोनों अपनी-अपनी डिग्री प्रदान करेंगे। जहां छात्रों को दोनों डिग्री मिलेगी वहीं छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने तथा ह.कृ.वि. के संकाय सदस्य व डब्ल्यू.एस.यू. के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग करने के साथ साथ अनुसंधान को साझा करने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है। इसी कड़ी में आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ भी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। जिसके कारण ह.कृ.वि. के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में ड्यूल एम.एस.सी. व पी.एच.डी. डिग्री प्रोग्राम ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यरूप से खाद्य और पोषण, उद्यान, मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान, समाजशास्त्र, मृदा जल और इंजीनियरिंग आदि विषयों पर ड्यूल डिग्री लेने हेतु हकृवि से मनतावया बिश्नोई, रितिका, चरण सिंह, सिन्धू, दीपिका, तान्वी शर्मा, एवं सोनू सिह वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया में ड्यूल डिग्री प्राप्त करने जाएंगे। इस कार्यशाला में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्त्ताओं में डा. लिडा टेलर, एंडरसन, निशा, राकेश, मार्कस रिगलर और नेलसन आदि ने विस्तार में आस्ट्रेलिया की पढ़ाई और शोध कार्यशाला के बारे में बताया।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ नभ छोर
दिनांक 1. 12. 2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1:3

हकृवि ने आस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू के साथ ड्यूल डिग्री आरम्भ की

हिसार/01 दिसंबर/रिपोर्टर

दुनिया के उच्चतम स्तरीय संस्थान अपने समकक्ष संस्थानों को पहचान कर उनके साथ शैक्षणिक संबध स्थापित करने को इच्छुक रहते हैं। इसी कड़ी मे आस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने साथ आने का निर्णय लिया है इसी आश्य के तहत आस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री डेन तेहान की उपस्थिति में हकृवि की तरफ से कुलपति प्रो. केपी सिहं व वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति बार्नी गलोवर ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये। इस समझौते से हकृवि के छात्रों का आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ साझा कार्यक्रम के तहत ड्यूल एमएससी व पीएचडी डिग्री प्रोग्राम शुरू होगा। इसके तहत पढ़ने वाले छात्र एक निश्चित अवधि तक हकृवि में तथा उसके बाद डब्ल्यूएसयू में पढेंगे और ऐसे छात्रों को दोहरी डिग्री प्रदान की जाएगी अर्थात् डब्ल्यूएसयू व हकृवि दोनों अपनी-अपनी डिग्री प्रदान करेंगे। जहां छात्रों को दोनों डिग्री मिलेगी वहीं छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने तथा हकृवि के संकाय सदस्य व डब्ल्यूएसयू के संकाय सदस्य को आपस में सहयोग करने के साथ साथ अनुसंधान को साझा करने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हकृवि के उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक तथा अनुसंधान होने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों की पहली पंसद बनता जा रहा है जिसके कारण इस विश्वविद्यालय के छात्रों को विश्व के उच्चतम संस्थानों में डिग्री करने के मौके दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण एवं शोध कार्य कर रहा है इसलिए यह विश्वविद्यालय विदेशी संस्थानों की पहली पसंद बन गया है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए हैं। इसी कड़ी में आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ भी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गये। जिसके कारण हकृवि के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में ड्यूल एमएससी व पीएचडी डिग्री प्रोग्राम ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 2.12.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 7-8

मोरिंगा व गोखरू बीज उत्पादन के मानक तय करेगा एचएयू

न्यूजीलैंड से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय आए (दाएं से) मैसी विश्वविद्यालय के बीज विज्ञानी प्रो. क्रेग मैकगिल, डा. सवेटला कंचएवा व साथ में रिसर्च टेक्निशियन डा. सन्मीत भाटिया। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : हार्ट, किडनी या जोड़ों के दर्द ने अधिकांश लोगों को अपनी चपेट में ले रखा है। लोग लाखों रुपये दवाओं पर खर्च करते हैं, पर कोई फायदा नहीं मिलता। ऐसे में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने घास के रूप में उगने वाले मोरिंगा और गोखरू नाम के औषधीय पौधों पर रिसर्च की, जिसमें पाया कि इन दोनों पौधों में औषधीय गुण हैं। ऐसे में अगर इस पर प्रोजेक्ट बनाकर काम किया जाए तो किसानों को अधिक फायदा हो सकता है। इसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने न्यूजीलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसी के विज्ञानियों से हाथ मिलाया है। दोनों विश्वविद्यालयों के बीज विज्ञानी मिलकर मोरिंगा के बीज की सही गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय मानक तैयार कर रहे हैं। इसमें मोरिंगा पर दोनों विश्वविद्यालय तो राजस्थान की रेतीली जमीन पर उगने वाले गोखरू पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अकेला कार्य कर रहा है।

पत्ते, तना और पौधे का प्रत्येक हिस्सा औषधीय गुण से पूर्ण : मैसी विश्वविद्यालय के बीज विज्ञानी प्रो. क्रेग मैकगिल बताते हैं कि मोरिंगा में इतने औषधीय गुण हैं कि इसके पत्ते, तना समेत पौधे के किसी भी हिस्से को दवा के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। वहीं गोखरू में किडनी, गठिया रोग, जोड़ों के दर्द, शारीरिक कमजोरी, बांझपन को ठीक करने के गुण हैं। यूजीलैंड में गोखरू को घास वाला पौधा मानते हैं इसलिए वहां इसके उत्पादन पर सरकार ने बैन लगाया है। इस कारण से हम सिर्फ मोरिंगा पर ही रिसर्च करेंगे।

विश्व में कुपोषण की समस्या हो सकती है दूर : इस प्रोजेक्ट पर मैसी विश्वविद्यालय से बीज विज्ञानी डा. सवेटला कंचएवा भी काम कर रही हैं। 2011 से विश्व स्वास्थ्य संगठन कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए मोरिंगा के उत्पादन पर जोर दे रहा है। इसके बीज का अभी तक कोई भी देश मानक नहीं तय कर पाया। ऐसे में हम मानक तय करने के बाद इंटरनेशन सीड टेस्टिंग एसोसिएशन को रिपोर्ट और सैंपल जमा करेंगे। इसके बाद यह संगठन विश्व की आठ अलग-अलग लैबों में जांच कराएगा। रिपोर्ट के हिसाब से परिणाम आए तो बीज के मानक स्वीकार कर लिए जाएंगे। इसके बाद इसी मानक के आधार पर मोरिंगा व गोखरू के बीजों की मार्केटिंग हो सकेगी।

सब्जी के रूप में भी प्रयोग हो सकते हैं यह पौधे

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्पार्क योजना के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को यह प्रोजेक्ट मिला है। इसके लिए कई दिनों से एचएयू में कार्यशाला भी हो रही थी। इसमें विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। यह कार्यशाला एचएयू से डा. अक्षय भुक्कर एवं डा. वीएस मोर की देखरेख में हुई। डा. भुक्कर ने बताया कि मोरिंगा को सब्जी के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही पशुओं में दूध से अधिक प्रोटीन मोरिंगा देता है। भैंस में प्रेग्नेंसी सही करना, इंसानों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम भी यह पौधे करते हैं। इसके साथ ही पांच से 40 डिग्री के तापमान में भी इन्हें उगाया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के तहत एचएयू से दो पीएचडी छात्र अनुराग व निर्मल सिंह भी न्यूजीलैंड में दौरा कर चुके हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 2.12.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-5

बीज प्रौद्योगिकी अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला

मैसी विश्वविद्यालय और हकृवि मिलकर बनाएंगे बीज

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परीक्षण की विभिन्न विधियां विषय पर चल रही 10 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ, जिसके बाद मैसी विश्वविद्यालय ने हकृवि के साथ बीज शोध और बीजों के आविष्कार की इच्छा जताई, जिस पर दोनों की सहमति बनी और ओएमयू पर साइन हुए। बीज शोध एवं गुणवत्ता,परीक्षण की विभिन्न विधियाँ कार्यशाला के समापन पर संबोधित करते हुए अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि बीज को कृषि का आधार पूर्ण रूप से आधार होते हैं और दोनों विश्वविद्यालय बीज उत्थान में अहम भूमिका निभाएंगे, ताकि ताकि दोनों देशों में अच्छे बीजों की उपलब्धता बढ़ सके और किसानों को उत्तम बीज समय पर मिल सकें।

विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों ने लिया भाग

कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. सवेटला कंचरवा विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थें। कार्यशाला हकृवि के डॉ. अक्षय भुक्कर एवं डॉ. वीएस मोर की देखरेख में हुई।

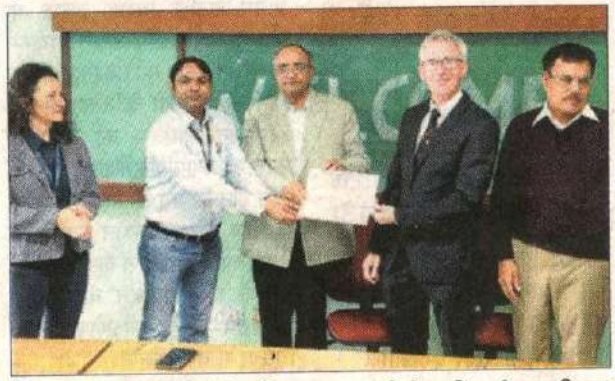

हिसार में रविवार को मैसी विश्वविद्यालय व हकृवि के अधिकारी सहमति पत्र प्रस्तुत करते हुए। -निस

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम वीर भूमि
दिनांक 1.12.2019 पृष्ठ सं 14 कॉलम 1

बीज प्रौद्योगिकी की कार्यशाला का समापन

हिसार। हकृवि के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परिक्षण की विभिन्न विधियां विषय पर चल रही 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. सवेटला कंचएवा विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थें। मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज शोध पर दोनों विश्वविद्यालयों को अग्रणीं भूमिका निभाने का आह्वान किया ताकि दोनों देशों में उन्नत बीजों की उपलब्धता बढ़ सके। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। कार्यशाला हकृवि के डॉ. अक्षय भुक्कर एवं डॉ. वीएस मोर की देखरेख में हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. वीपीएस. सांगवान ने कार्यशाला व स्पार्क प्रजोक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, समारोह के अतिथियों का आभार जताया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 1.12.2019 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1.2

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

'बीज ही कृषि का आधार इसलिए शोध बहुत जरूरी'

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परीक्षण की विभिन्न विधियां विषय पर चल रही 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। इस कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. सवेटला कंचएवा विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थें।

मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज शोध पर दोनों विश्वविद्यालयों को अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया ताकि दोनों देशों में अच्छे बीजों की उपलब्धता बढ़ सके और किसानों को उत्तम बीज समय पर मिल सकें। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। यह कार्यशाला हकृवि के डॉ. अक्षय भुक्कर एवं डॉ. वीएस मोर की देखरेख में सम्पन्न हुई।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी
दिनांक 1.12.2017 पृष्ठ सं 4, 2 कॉलम 5, 1

बीज प्रौद्योगिकी की अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परिक्षण की विभिन्न विधियां विषय पर चल रही 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला शनिवार को संपन्न हो गई। समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। इस कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. सवेटला कंचएवा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज शोध पर दोनों विश्वविद्यालयों को अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया ताकि दोनों देशों में अच्छे बीजों की उपलब्धता बढ़ सके और किसानों को उत्तम बीज समय पर मिल सकें। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बीज प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

हिसार, 30 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में 'बीज शोध एवं गुणवत्ता परीक्षण की विभिन्न विधियां' विषय पर चल रही 10 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक, डा. एस.के. सहरावत मुख्यातिथि थे। इस कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डा. स्वेटला कंचएवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ छोर
दिनांक 30.11.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 7-8

बीज प्रौद्योगिकी की अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

हिसार/30 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परिक्षण की विभिन्न विधियां विषय पर चल रही 10 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। इस कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. सवेटला कंचएवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज शोध पर दोनों विश्वविद्यालयों को अग्रणीं भूमिका निभाने का आह्वान किया ताकि दोनों देशों में अच्छे बीजों की उपलब्ध्यता बढ़ सके और किसानों को उत्तम बीज समय पर मिल सकें। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। यह कार्यशाला हकृवि के डॉ. अक्षय भुक्कर एवं डॉ. वीएस मोर की देखरेख में हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. वीपीएस. सांगवान ने कार्यशाला व स्पार्क प्रजोक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...सिटी पल्स...
दिनांक...30.11.2019... पृष्ठ सं....3... कॉलम...1-4...

हरियाणा कृषि विवि में बीज प्रौद्योगिकी की अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परिक्षण की विभिन्न विधियां विषय पर चल रही 10 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक, डॉ. एस.के.सहरावत मुख्य अतिथि थे। इस कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. स्वेटला कंचाएवा विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज शोध पर दोनों विश्वविद्यालयों को अग्रणी भूमिका निभाने का आवाहन किया ताकि दोनों देशों में अच्छे बीजों की उपलब्धता बढ़ सके और किसानों को उत्तम बीज समय पर मिल सकें। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। यह कार्यशाला हकृवि के डॉ. अक्षय भुकर एवं डॉ. वीएस मोर की देखरेख में हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. वीपीएस सांगवान ने कार्यशाला व स्पार्क प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए समारोह के सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पाठक पक्ष
दिनांक 1.12.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 7-8

बीज प्रौद्योगिकी की अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

हिसार, 1 दिसम्बर (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में बीज शोध एवं गुणवत्ता परिक्षण की विभिन्न विधियाँ विषय पर चल रही 10 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक, डॉ. एस.के.सहरावत मुख्य अतिथि थे। इस कार्यशाला में मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. स्वेटला कंचएवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थें। मुख्य अतिथि डॉ. एस.के.सहरावत ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज शोध पर दोनों विश्वविद्यालयों को अग्रणी भूमिका निभाने का आवाहन किया ताकि दोनों देशों में अच्छे बीजों की उपलब्धता बढ़ सके और किसानों को उत्तम बीज समय पर मिल सकें। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिभागियों भाग लिया। यह कार्यशाला हकृवि के डॉ. अक्षय भुकर एवं डॉ. वी.एस. मोर की देखरेख में हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी.एस. सांगवान ने कार्यशाला व स्पार्क प्रजीक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, समारोह के सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम वीर भूमि
दिनांक 1.12.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 6-8

हकृवि में लाइब्रेरी डाटाबेस पर वर्कशॉप

हिसार। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए स्कोपस साईटेसन एवं एब्सट्रैक्टिंग डाटाबेस की जागरूकता एवं उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं सातकोत्तर विद्यार्थियों को स्कोपस डाटाबेस की महत्वता एवं उपयोगिता को समझाना था। जिससे सभी इस डाटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों की गुणवत्ता को सुधारने एवं उच्चस्तर की शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित करने में कर सकें। इस एक दिन की कार्यशाला में विश्वविद्यालय के लगभग 90 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।कार्यशाला के प्रारम्भ में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं बताया कि स्कोपस डाटाबेस का उपयोग करके विद्यार्थी एवं शिक्षक अपने शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार कर विश्वविद्यालय की रैंकिंग को भी बढ़ा सकते है। इस अवसर पर नेहरू पुस्तकालय की समस्त फैकल्टी : डॉ. राजीव कुमार पटैरिया, प्रोफेसर एवं सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. सीमा परमार एवं डॉ. राजिंदर कुमार उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ. छोर

दिनांक 30. 11. 2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4-5

डाटाबेस के उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

हिसार/30 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए स्कॉपस साईटेसन एवं एब्सट्रैक्टिंग डाटाबेस की जागरूकता एवं उपयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को स्कॉपस डाटाबेस की महत्वता एवं उपयोगिता को समझाना था ताकि सभी इस डाटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों की गुणवत्ता को सुधारने एवं उच्च स्तर की शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित करने में कर सकें। इस एक दिन की कार्यशाला में लगभग 90 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रारम्भ में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिहं ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं बताया कि स्कोपस डाटाबेस का उपयोग करके विद्यार्थी एवं शिक्षक अपने शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार तो कर ही सकते है साथ ही साथ विश्वविद्यालय की रैंकिंग को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर नेहरू पुस्तकालय की समस्त फैकल्टी : डॉ. राजीव कुमार पटैरिया, प्रोफेसर एवं सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. सीमा परमार एवं डॉ. राजिंदर कुमार भी उपस्थित थे।